आते ही मानसून ने दिए जख्म

बारिश से भारी मुसीबत, कुछ लोगों के मंदाकिनी में बहने की आशंका

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून। मानसून ने आते ही गहरे जख्म दिए हैं। पूरे गढ़वाल में रविवार को सुबह से देर रात तक आसमान से आफत बरसती रही। रुद्रप्रयाग और उत्तरकाशी में हालात बेकाबू दिखे। बारिश के चलते हुए हादसों में नौ लोगों की मौत हो गई। एक लापता है। रुद्रप्रयाग में रामबाड़ा के पास मंदाकिनी नदी में आए उफान में कुछ लोगों के बहने की सूचना है। नदी का पानी बाजार (रामबाड़ा) में घुस आया है। बताया जा रहा है कि बाढ़ में कुछ जवान भी फंस गए, जो पास की पहाड़ी पर चढ़ गए। कुछ लोगों ने उफान में बहने वालों की संख्या 40-50 बताई है। हालांकि प्रशासन ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

भूस्खलन और मलबा आने से गढ़वाल में चारधाम यात्रा मार्ग समेत कई सड़कें बंद हो गईं। इससे हजारों यात्री जगह-जगह फंस गए हैं। क्रिकेटर हरभजन सिंह भी जोशीमठ में फंसे हैं। मार्ग बंद होने और भूस्खलन की आशंका को देखते हुए चारधाम और हेमकुंड साहिब की यात्रा रोक दी गई। तीर्थयात्रियों से सुरक्षित स्थानों पर रुकने की अपील की गई है। फंसे यात्रियों को निकालने की कोशिश की जा रही है। आईटीबीपी की दो टीमें गौरीकुंड शेष पेज 16

हाईवे बंद, चारधाम यात्रा रुकी

रुद्रप्रयाग-केदारनाथ मोटर मार्ग पर कुंड में क्षतिग्रस्त पुल।

टूटा 88 साल का रिकार्ड

देहरादून। राजधानी में जून महीने में बारिश का 88 साल का रिकार्ड टूट गया है। शनिवार सुबह साढ़े आठ से रविवार सुबह साढ़े आठ बजे के बीच 220 मिलीमीटर वर्षा हुई। रविवार सुबह साढ़े आठ के बाद शाम साढ़े पांच बजे तक 146 मिलीमीटर बारिश हुई। इससे पहले जून के महीने में 28 तारीख 1925 को 24 घंटे में 188 मिलीमीटर अधिकतम बारिश हुई थी। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटे में देहरादून सहित पूरे प्रदेश में भारी बरसात होने की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के निदेशक आनंद शर्मा के अनुसार अगले 36 घंटे में बारिश जारी रहने की संभावना है। राजधानी में शुक्रवार रात से ही लगातार बारिश हो रही है। शनिवार को दिन में कुछ घंटे के लिए केवल मौसम खुला। शाम को फिर से बारिश शुरू हो गई। इसके बाद से भारी बारिश का सिलसिला जारी है। रविवार सुबह साढ़े आठ बजे तक 24 घंटे के भीतर जून के महीने में 220 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड की गई है। इससे 88 साल का रिकार्ड टूट गया। **ब्यूरो**

टूटी आपदा प्रबंधन तंत्र की नींद

देहरादून। रविवार को जब मानसून ने प्रदेश में कहर बरपाया तब आपदा प्रबंधन तंत्र की नींद टूटी। भारी बरसात के कारण जगह-जगह से आ रही नुकसान की खबरों के बीच दिल्ली से देहरादून तक फोन की घंटियां बजने लगीं। आनन फानन में निर्देश जारी किए गए, अपील की गई और भरोसा दिलाया गया। पिछले साल की तरह ही इस बार भी मौसम की मार पड़ने के बाद राहत और बचाव के लिए समीक्षा करने की बात की जा रही है। विस्तृत पेज 11

- उत्तरकाशी में लगभग 18 हजार यात्री पड़ावों पर फंसे
- घांघरिया से आधा किमी दूर लक्ष्मण नदी का पैदल पुल बहा
- हेमकुंड साहिब में दो, घांघरियां में छह हजार यात्री फंसे
- हेमकुंड जा रहे क्रिकेटर हरभजन भी जोशीमठ में फंसे
- बदरीनाथ राजमार्ग तीस मीटर बहा, 10 हजार लोग फंसे
- दून-दिल्ली हाईवे पर थमे पहिए, गढ़वाल में 123 मार्ग बंद